**चित्रकला –कोड 049**
**अंकन योजना**
**कक्षा -X (2025 -26 )**

**समय – 2 घंटे** **अधिकतम अंक – 30**

सामान्य निर्देश:

- निम्नलिखित निर्देशों को ध्यान से पढ़ें।
- इस प्रश्न पत्र में कुल 16 प्रश्न हैं, जिनमें आंतरिक विकल्प शामिल हैं।
- **खंड-क** में 8 प्रश्न बहुविकल्पीय हैं, जिनमें प्रत्येक 1 अंक का है।
- **खंड-ख** में 5 प्रश्न छोटे उत्तर वाले हैं, जिनमें प्रत्येक 2 अंक का है। (उत्तर लगभग 100 शब्दों में)
- **खंड-ग** में 3 प्रश्न लंबे उत्तर वाले हैं, जिनमें प्रत्येक 6 अंक का है। (उत्तर लगभग 200 शब्दों में)

| **संख्या** | **खंड-क** | **अंक** |
|---|---|---|
| | दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें: | |
| 1. | (iv) | 1 |
| 2. | (iv) | 1 |
| 3. | (i) | 1 |
| 4. | (ii) | 1 |
| 5. | (i) | 1 |
| 6. | (iii) | 1 |
| 7. | (iii) | 1 |
| 8. | (i) | 1 |
| | **खंड-ख** | |
| 9. | i. वर्ली पेंटिंग का वर्णन करें -1 अंक<br>ii. वर्ली पेंटिंग में उपयोग किए गए, आकृति, रंग और उनके थेरिपी संबंधी प्रभाव पर प्रकाश डालें -1 अंक<br><u>उत्तर में उपयोग किए जा सकने वाले मुख्य बिंदु</u> | 2 |

| | | |
|---|---|---|
| | वर्ली पेंटिंग्स, जनजातीय कला, महाराष्ट्र, मिट्टी की दीवारों पर पेंटिंग, प्रकृति और वन्यजीवों का सम्मान, ग्रामीण जीवन ,सफेद रंगद्रव्य, पिसा चावल, लाल गेरू, मानसिक, भावनात्मक और शारीरिक स्वास्थ्य को लाभ, तनाव और चिंता को कम करना, चितवृत्ति को सुधारना, सरल ज्यामितीय आकारों, लयबद्ध गति और जीवनशैली में सादगी के कारण आत्म-अन्वेषण और प्रतिबिंब।<br>**(अथवा)**<br>i. मुख्यतः मानव आकृतियों, पक्षियों और जानवरों को चित्रित करने के लिए मूलभूत आकार -1 अंक<br>ii. पारंपरिक उपकरणों और तकनीकों का उपयोग -1 अंक<br><u>उत्तर में उपयोग किए जा सकने वाले मुख्य बिंदु</u><br><br>बुनियादी ज्यामितीय आकार: वृत्त, त्रिकोण, वर्ग<br>उपकरण: टहनियां, बांस की छड़ें, उंगलियां, घरों की मिट्टी की दीवारों पर पेंटिंग के लिए हाथों का उपयोग<br>तकनीक: एक समतल पृष्ठभूमि तैयार करने के लिए मिट्टी की दीवारों को साफ और चिकना करना। लाल गेरू से दीवार को ढकना, पिसे चावल से सरल, बोल्ड और ज्यामितीय आकारों का उपयोग करके डिजाइन बनाना।<br>प्राकृतिक वर्णकों जैसे लाल गेरू, पीले गेरू और इंडिगो के साथ सीमित रंग। डिजाइन को पेचीदा स्वरूपों (पैटर्न) एवं विवरण के साथ डिजाइन बनाया गया है। | |
| 10. | i. ऑयल पेस्टल तथा क्रेयान (मोम) रंगों के बीच का अंतर -1 अंक<br>ii. जलरंग और पोस्टर रंगों के बीच अंतर -1 अंक<br><u>उत्तर में उपयोग किए जा सकने वाले मुख्य बिंदु:</u><br>ऑइल पेस्टल: तेल में घुला हुआ रंगीन चूर्ण, नरम और मिश्रित करने योग्य, जीवंत रंगों को अन्य माध्यमों के साथ मिश्रित किया जा सकता है, धुंधलापन रोकने के लिए फिक्सेटिव की आवश्यकता हो सकती है, सूक्ष्म विवरण के लिए उपयोग, मुलायम और आसानी से धुंधलापन लाना।<br>क्रेयान (मोम रंग) : मोम आधारित, कठोर और मोम युक्त, कम मिश्रित करने योग्य, पारदर्शी, गाढ़े और ग्राफिक कार्य के लिए उपयोग करना।<br>जलरंग: पारदर्शी, पानी में घुलनशील, द्रव अनुप्रयोग, कागज पर उपयोग, जल्दी से सूखने वाले तथा रंग की कई परतें लगाना का उपयोग।<br>पोस्टर रंग: अपारदर्शी, गाढ़ी संगति, आसानी से उपयोग करने योग्य, विभिन्न कागज पर इस्तेमाल किए जा सकते हैं।<br>(**अथवा**) | 2 |

| | | |
|---|---|---|
| | i. अपारदर्शी रंगों का नाम बताओ जो लोक कला में इस्तेमाल किए जाते हैं - 1 अंक<br>ii. उपयोग किए गए उपकरण और सतह - 1 अंक<br><u>उत्तर में उपयोग किए जा सकने वाले मुख्य बिंदु:</u><br>प्राकृतिक रंगों के साथ गोंद, पोस्टर रंग, एक्रेलिक मधुबनी पेंटिंग।<br>उपकरण: ब्रश, रंग पैलेट, दीवार की छत, विभिन्न प्रकार के कागज, कैनवास, कपड़ा आदि। | |
| 11. | i.मधुबनी नाम कहां से उत्पन्न हुआ है और रामायण के पात्र का जन्मस्थान का नाम-1 अंक<br>ii.मधुबनी पेंटिंग के लोकप्रिय लोक कला होने का कारण -1 अंक<br><u>उत्तर में उपयोग किए जा सकने वाले मुख्य बिंदु:</u><br>मधुबनी: मधु (शहद), बन (वन), देवी सीता का जन्मस्थान।<br>लोकप्रियता के कारण: राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मान्यता, चमकीले रंग, आकर्षक ज्यामितीय रूपांकन (मोटिफ), पारंपरिक कला रूप, प्रकृति प्रेरित विषय, संस्कृति का विषय।<br>**(अथवा)**<br>i. मधुबनी पेंटिंग की विशेषताएँ -1 अंक<br>ii. किन अवसरों पर मधुबनी पेंटिंग बनाई जाती है -1 अंक<br><u>उत्तर में उपयोग किए जा सकने वाले मुख्य बिंदु:</u><br>मधुबनी पेंटिंग की विशेषताएँ: फूलों से बनी रूपांकन(मोटिफ), गहरी काली रेखाएँ, जीवंत रंग, प्रकृति प्रेरित विषय, जानवर, पक्षी, पौधे, फूल, पौराणिक और प्रेरणादायक विषय वस्तु, देवी-देवता, ग्राम जीवन, पेचीदा ज्यामितीय स्वरूप (पैटर्न)।<br>अवसर: त्योहार, विवाह, बच्चे का जन्म, पूजा समारोह, फसल त्योहार। | 2 |
| 12. | i. कला के किन्ही दो सिद्धांतों का वर्णन करें -1 अंक<br>ii. कला के सिद्धांत कलाकारों को अपनी कलाकृति के माध्यम से अपनी भावनाओं और विचारों को व्यक्त करने में कैसे सक्षम बनाते हैं -1 अंक<br><u>उत्तर में उपयोग किए जा सकने वाले मुख्य बिंदु:</u><br>कला के सिद्धांत:<br>एकता: दृश्य सामंजस्यता और समरूपता आदि।<br>सामंजस्यता: तत्वों आदि का दृश्य रूप से आकर्षक संयोजन। | 2 |

| | | |
|---|---|---|
| | संतुलन: स्थिरता और संतुलन की भावना पैदा करने के लिए दृश्य तत्वों का संयोजन।<br>लय: गति की समझ<br>महत्व: महत्व, मुख्य बिंदु आदि<br>अनुपात: आकार और पैमाने के बीच संबंध आदि<br>अमूर्त: रूपों को सरल बनाना या विकृत करना<br>शैलीकरण: एक अद्वितीय दृश्य शैली जोड़ना<br>कलाकृति के माध्यम से अपनी भावनाओं और विचारों को प्रभावी ढंग से व्यक्त करना:स्थिरता और सामंजस्यता की भावना, मुख्य बिंदु, ऊर्जा और गति, दर्शकों की आँखों को मार्गदर्शन करना, लय, सामंजस्य और एकता की भावना, भावनाओं को जागृत करना, दृश्य रुचि उत्पन्न करना, दर्शकों का ध्यान आकर्षित करना।<br>**(अथवा)**<br>i. दो प्रकार के स्थान -1 अंक<br>ii. एक कलाकार द्वारा एक कलाकृति में स्थान का सही तरीके से उपयोग करना -1 अंक<br><u>उत्तर में उपयोग किए जा सकने वाले मुख्य बिंदु:</u><br>सकारात्मक खाली जगह , नकारात्मक खाली जगह सकारात्मक और नकारात्मक खाली जगह को संतुलित करने की क्षमता, सकारात्मक खाली जगह को परिभाषित और उपयोग करना, अपनी रचनाओं में खाली जगह को संभालने का अद्वितीय दृष्टिकोण। | |
| 13. | i.सम्राट के राजवंश का नाम -1 अंक<br>ii.यह ऐतिहासिक घटना जो यह कलाकृति प्रदर्शित करती है और यह घटना कहाँ हुई -1 अंक<br><u>उत्तर में उपयोग किए जा सकने वाले मुख्य बिंदु:</u><br>सम्राट अशोक, राजवंश: मौर्य:<br>ऐतिहासिक घटना जो दर्शाती है: विधि के चक्र में गति में लाना, धर्मचक्र प्रवर्तन की घटना (शांति, सामंजस्यता, प्रबोधन (एनलाइटमेंट), प्रकृति के सार्वभौमिक नियम, जीवन-मृत्यु और पुनर्जन्म का चक्र, अहिंसा, आध्यात्मिक वृद्धि, बुद्ध के उपदेशों का प्रसार), यह ऐतिहासिक घटना सारनाथ की है।<br>(**अथवा**)<br>i.फ़लक पर दर्शाए गए चार जानवरों का नाम -1 अंक<br>ii.सिंह शीर्ष पर कमल का फूल किसका प्रतीक है -1 अंक<br><u>उत्तर में उपयोग किए जा सकने वाले मुख्य बिंदु:</u> | 2 |

| | | |
|---|---|---|
| | जानवर: सिंह, हाथी, बैल, घोड़ा<br>कठिनाइयों के खिलाफ चमक, आध्यात्मिक वृद्धि, शुद्धता, पुनर्जन्म और नवजीवन, जीवन में प्रबोधन (एनलाइटमेंट) का मार्ग) | |
| | **खंड-ग**<br>दिए गए विकल्पों में से कोई दो प्रश्न हल करें: | |
| 14. | (i) भावना और कलाकृति का शीर्षक -1 अंक<br>(ii) रंग माध्यम का उपयोग और क्यों -1 अंक<br>(iii) किस आधार पर कलाकृति का विषय चुना गया और क्यों -1 अंक<br>(iv) कला शैली का चयन और क्यों -1 अंक<br>(v) ब्रश का चयन और क्यों -1 अंक<br>(vi) रंगों के शेड्स का चयन और क्यों -1 अंक<br><u>उत्तर में उपयोग किए जा सकने वाले मुख्य बिंदु:</u><br>सक्षमता आधारित उत्तर के रूप में कला कलाकार के समय और समाज की सामाजिक परिस्थितियों के प्रतिबिंब की दृश्य अभिव्यक्ति होती है। कला की विधि और सामग्री बदल रही हैं, अत: कलाकार के जीवन में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं, छात्रों की व्याख्या के अनुसार अंकित की जाएगी। | 6 |
| 15. | बोधिसत्व पद्मपाणि का छह अंगों के आधार पर विवरण:<br>(i) स्थान और अवधि -1 अंक<br>(ii) फ्रेस्को तकनीक -1 अंक<br>(iii) उसके चरित्र का प्रतीकात्मक चित्रण फूल, मोती और बंद आँखों के माध्यम से चित्र में मुख्य पात्र को दर्शाता है-1 अंक<br><u>उत्तर में उपयोग किए जाने वाले मुख्य बिंदु:</u><br>स्थान: अजंता गुफाएं, औरंगाबाद, महाराष्ट्र, अवधि 5वीं शताब्दी<br>फ्रेस्को भित्तिचित्र(मुरल) पेंटिंग: चिकनी परत वाले प्लास्टर से दीवार की तैयारी, लाल-भूरे रंगद्रव्य से ड्राइंग, गोंद और अंडे की सफेदी का उपयोग बाँधने वाले पदार्थ के रूप में किया जाना।<br>प्रतीक: कमल-आध्यात्मिक वृद्धि, मोती - शुद्धता, बंद आँखें - निर्वाण, करुणा और दया, बुद्धिमत्ता, ध्यान और आंतरिक प्रतिबिंब, सांसारिक इच्छाओं से अलगाव, आंतरिक शांति तथा स्थिरता।<br>"षडंग":<br>i. रूप भेद - बोधिसत्व के रूप में पहचाना जाना।<br>ii. प्रमाण - अनुपातिक दूसरों से बड़ा | 6 |

| | | |
|---|---|---|
| | iii. भाव – करुणा और यथोक्त<br>iv. लावण्य योजनम – त्रिभंग मुद्रा, सुंदर, कोमल लयबद्ध रेखाएं<br>v. सदृश्यम – एक करुणामय राजकुमार की तरह<br>वर्णिका भंग – पृथ्वी और खनिज रंगों का सराहनीय उपयोग। | |
| 16. | i. मंदिर का नाम – कैलाशनाथ –1 अंक<br>ii. सामग्री – बेसाल्ट –1 अंक<br>iii. लम्बवत(वर्टिकल) खुदाई तकनीक: चट्टान की चोटी से शुरू होकर नीचे की ओर खुदाई –1 अंक<br>iv. इसके वास्तुकला कौशल का विवरण और मंदिर के सभी भागों का उल्लेख – 3 अंक<br><u>उत्तर में उपयोग किए जा सकने वाले मुख्य बिंदु:</u><br>एलोरा में बनी, महाराष्ट्र, गुफा 16, 756-773 सी.ई., राष्ट्रकूट द्वारा, राजा कृष्ण-1, भगवान शिव को समर्पित, एक बहुमंजिला मुख्य मंदिर, कई मंदिरों से घिरा हुआ, एक पत्थर का पुल, एक प्रवेश द्वार, गर्भगृह में एक विशाल पत्थर का लिंग, एक सभा कक्ष, सभा हॉल, मंडप जिसमें रामायण और महाभारत के दृश्य, शिव योगी, शिव नटराज, रावण द्वारा कैलाश पर्वत को हिलाने का दृश्य, इंद्र, अग्नि, वायु, सूर्य, उषा, गणेश, अर्धनारीश्वर, अन्नपूर्णा, दुर्गा। | 6 |